

सरकार के कहने पर बीएचयू में इस्तेमाल किया इमरजेंसी पावर



का शी हिंदू विवाहितालय के कुलपति
प्रा. सुशीर कुमार जैन ने सोमवार
को तीन बजे का कार्यकाल पूरा कर लिया।
विष में कार्यकारी परिषद् (ईनी) के गठन
के दिन उन्होंने कई बड़े निर्णय लिए।
कैपस से टेकर संसद तक बह मुद्दा
गरमाया रहा। कई निर्णय टापस भी
ली गयी तो एड मणि। इस बार भी पीएचडी
द्वारा टेलीविन विवाहित हुआ। राष्ट्रीय
शिक्षा नीति को धरातल पर
उतारने में कितनी मशक्कत

करनी पड़ रही है, अपने कांपाकाल के अंतिम दिन उन्होंने ऐसे कई जलत सवालों का बोली से जवाब दिया। उनका कहना है कि बीषम का इन्हास्त्रवर एक से अधिक मजबूत हुआ है। गूढ़ी वीजों की सीटे और खाली नहीं रहेंगी लालिंग धैर्यर सिरस्टम विकसित हो चुका है। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर कुलपति प्रौ. सुभौरु कुमार जैन ने दिनकां जागरण के उप मुख्य सवाददाता संशाम सिंह से खुलकर यात की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश...।

५) जिन्हे प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसीसीएसर प्रोफेसर की तरह मर्मी हुई है। किंतु शिक्षावा व दातारों का प्रमाण छुपा दिया है इन्हीं द्वारा भी बदल भीतर प्रभावशक्ति का उत्तर संग्रह लड़ते हुए?

-जो चाहे भी मेरी बहना का बात हो तो वहाँ वाली विध्य में दिखा जाना नहीं आवाम नहीं है। अब इसी बहाना में आ अधिकारी फैल हमारी है तो उसके लिए अपनी सहन नहीं खाली करना। मैंने पत्र लिख दिया है। तो तास लाल में जाए तब तिर लिख, लैंगिक उड़न कोडी जगवा नहीं आया। हास्त के लिए हमने लड़े नाम प्रस्तावित नहीं किया। ऐसी बहाना का राष्ट्रपति का अधिकार है। इम जब अब तो ईसें गठित नहीं होने के कारण करीब 11 महीने तक वहाँ कोई चाहने नहीं किया। केवल सरकार को पत्र लिखा है तो याचना किया है कि आपके पास पांच लाख रुपये हैं, उसका प्रयोग कर सकते हैं। इसके बाद ही मैंने इमरजेंसी पापक का इसेमाल करना शुरू किया।

६) ईस्टरेंट आप एप्पलों से बैंयापू की कृषीकृषि एक हाजार करोड़ रुपये मिले थे। पांच साल के लिए ब्राह्मराजी किसी नहीं, कैफ की त्या उद्यम हआ तो विद्युत-

मैं यह विद्या हूँ। यह ब्रह्म का एकस्ट्रेन होता है। तो क्या?

- विवि का विकास करना ही इस कंठ द्वारा हो सकता है। यह कोई काम नहीं करता है। यह एकस्ट्रेन मिलने वाला उपकरण है। यह सब के एकस्ट्रेन जो डिमांड सरकार स्तर पर ही लिखता है। एक हाथ को केवल इसका स्वीकृत हुए थे। लाभगम करने वाले सौ करोड़ रुपये खर्च ही हो गए हैं, अरमान धरतार्थी अमानवीय दो बच्चे में सुधर को जा सकते हैं। शिक्षक आ

साक्षात्कार

- ३ तीन वीरोंका कार्यालय के अंतिम दिन वीरशूले के कुरुपति वीरों ईर्ष्णी गठन को दिखाए थार पत्र
 - ४ एक साल फले लक्षणों में पढ़ने नहीं आते थे ६५ प्रसिद्ध उत्तरां ज्ञानार्थ, सखी से बदली खद्दरता

150 रु. संकाय सदस्य नियुक्त शिक्षकों को पढ़ना नहीं दी

मात्र ३४ लोगों का शीर्ष प्रमोशन नहीं हो सका। शार्ट सिस्टेम और दोनों को बेक दोनों के लिए आडिट कर्मी नहिं नियुक्त ही गई ताकि ३५ अन्य सम्पन्न आवाहन दर्शकों के पास उन फलते प्रस्तुतिकरण कर्त्ता का गठन हुआ। कर्मी ने अपनी दैर्घ्य दी, इन्होंने क्षेत्रीय दोसरा कर्त्ता की दिल्लूचा द्वारा नियुक्त के आवाहन पर जहां लोगों का प्रश्नानन्द दर्शन में असफल हुई।

आइट कम्पनी की संस्कृति
से प्रभोशन सूची पर निर्णय
प्रे. तेव ने कहा कि 150 सकार
सदस्यों को नियुक्त कर जारी
हुआ, इसके 130 लोगों ने कामबार
सम्पन्न, 150 लोगों को पूर्णनिति
दा पड़ जारी हुआ था। कैफीयत 82
लोगों की प्रमोशन नहीं हो सका।
पांच लिस्टर अवलम्बन की तरफ करने
के लिए आइट कम्पनी गतिहासी
गई ताकि उसे अभ्यास समाप्त
आए। इसके बाद एक दिन घण्टे
प्रति सूक्ष्माकृति का नाम हुआ
कम्पनी ने अपनी टीमें ड्रेसर्स के
द्वारा कम्पेंटों के इन्हनुप्रे के आवार
पर तकी लोगों द्वारा प्रभोशन करने में
आसानी हुई।

केंद्रीय प्रवेश कमटी का गठन, प्रक्रिया हुई पारस्परी प्र०, जैन ने कहा कि प्रश्न प्रतिक्रिया पारस्परी की है। इसलिए उन्होंने यह तो शिक्षक से उम्मीद करते कि वह हफले सभी विद्यार्थी के रिकार्ड खेक करें और दोनों कि दूर घायल हैं कि नहीं। हमने केंद्रीय प्रवेश कमटी गठित की, इससे साझेदार, परामर्शदाता व पीएडों की प्रवेश प्रक्रिया आपसने हो गई। इससे लिखित ने उत्तर प्राप्ति के मुख्यालय की ओर सीधे जाना ही चाहिए, फिर सात तक कर्मी जावी जा सकते हैं, भारत और सम्बंधी सभी तथा नई हैं। इस जावी के लिए शिक्षकों में गमीरता लाई गई है।

सिर्फ छह प्रतिशत अंटेंडेंस शार्ट
 कुमारीनि ने कहा कि पहले कक्षाएँ में
 प्रतिशत में बढ़ायी थीं। इस तरह मैं आते
 ही नहीं थीं। विविध संस्कृतों में संस्कृत
 हुई। कुछ जातों का पर्सिया कंपनी से दूसरे
 कंपनी द्वारा तो लड़ाइ रखे गए। विज्ञान
 संकाय के 30 प्रतिशत उत्तर-पश्चिम
 कक्षाएँ में आते ही नहीं थीं। पिछले बीच
 सभी विद्यालयों में 25 प्रतिशत विद्यार्थियों की
 अंटेंडेंस नहीं थीं, यहीने विवेद में नियमों का
 अनुसर करती जाती थी। जाती को पढ़ता था
 कि दिवारों तिला और आंवर की बाया
 जलनदार है। दूसरी तीनों को भारतीय जली
 हुआ पर्याप्त कम से कम रख दिया।
 इन सभी सिर्फ उन प्रतिशत अंटेंडेंस शार्ट
 हुआ है।

—तोन साल जहां के यूनिवर्सिटी सिस्टम के बाबकान नहीं है, अब जारी हो रहा यूनिवर्सिटी सिस्टम के लाभों के बारे में बहुत काम आया है। इस समझौते में सबका उल्लंघन हो गया है। यहां पर जहां विद्यार्थी उस समझौते के अनुरूप से अपनी जाति की बहुत ज्यादा जुँग बढ़ावा दे रहा है, जबकि कुछ ही हाल में यहां पर यही उस कल के बिंदुओं का एक संग्रह हो रहा है। यहां पर जहां विद्यार्थी अपनी कला की बहाव अपनी जगत् पूर्ण नहीं हो रही है, ऐसे दोनों कला विद्यार्थी के रूपमें कोई लिंगानुदारी नहीं है। इनमें अक्षर टोक जाता है।

बीएचयू की सेवा से मिले सर्वश्रेष्ठ अनुभव : कुलपति

IV

जागरण संवाददाता, वराणसी : बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा कि विवि में उन्हें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। अपना कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर कुलपति आवास पर आयोजित विदाई समारोह में प्रो. जैन ने कहा कि विवि से जुड़ना उनके लिए नया अनुभव था। विवि ने उन्हें अनेक बेहतरीन यादें और अनुभव दिए हैं, जिनसे उनके व्यक्तित्व का भी संवर्धन हुआ है।

प्रो. जैन ने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए नए अवसर सृजित करने, शिक्षकों को सशक्त बनाने व विवि के सदस्यों के विकास के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता को रेखांकित किया। कुलगुरु प्रो. संजय कुमार ने कहा कि प्रो. सुधीर जैन ने विवि को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया,



कुलपति प्रो. सुधीर जैन के विदाई समारोह में पुष्ट देकर अभिवादन करते प्रोफेसर •

जिसके नतीजे विश्वविद्यालय को लंबे समय तक लाभान्वित करेंगे। कुलसचिव प्रो. अरुण सिंह ने बताया कि प्रतिभाओं की पहचान कुलपति जी की विशेषता रही है। कला संकाय के प्रमुख प्रो. माया शंकर पांडेय, प्रो.

एसएम सिंह, दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. वीके मिश्रा, आइएमएस के निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यकाल में आयोजित तीन दीक्षा समारोहों की एलबम भेंट की गई।

बीएचयू की सेवा के दौरान प्राप्त हुए सर्वश्रेष्ठ अनुभव : कुलपति ५



वाराणसी (एसएनबी)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा है कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में बातौर कुलपति कार्य करना उनके लिए काफी कुछ सीखने का अवसर रहा। विश्वविद्यालय में अपना कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर कुलपति आवास पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़ना उनके लिए पूरी तरह एक नया अनुभव था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों से मिले अपार सहयोग व स्नेह ने उन्हें बीएचयू के विकास के लिए कार्य करने की ऊर्जा व शक्ति दी, जिसके लिए वे सदा आभारी रहेंगे। कुलपति जी ने कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय व इसके सदस्यों में अपार क्षमता व संभावनाएं हैं, अगर आवश्यकता है तो उसे प्रोत्साहन देने तथा नए अवसर उपलब्ध कराने की। प्रो. जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय ने उन्हें अनेक बेहतरीन यादें और अनुभव दिये हैं, जिनसे उनके व्यक्तित्व का भी संवर्धन हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. संजय कुमार ने कहा कि प्रो. सुधीर कुमार जैन ने विश्वविद्यालय को अनुकरणीय नेतृत्व

बीएचयू और बनारस में मिली जीवन की सबसे अच्छी यादें : प्रो. जैन

कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित किया गया समारोह

प्रदान किया, जिसके नवीजे विश्वविद्यालय को लंबे समय तक लाभान्वित करेंगे। कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिभाओं की पहचान कुलपति जी की विशेषता रही है। उन्होंने कहा कि प्रो. जैन असाधारण सोच के व्यक्ति है और यह उनकी कार्यशैली में भी झलकता है। इस दौरान कला संकाय के प्रमुख प्रो. माया शंकर पाण्डेय, विज्ञान संकाय के पूर्व प्रमुख प्रो. एसएम सिंह, बरकछा स्थित दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. वीके मिश्रा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसएम संखवार, कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक तथा अंतरराष्ट्रीय केन्द्र के समन्वयक प्रो. एसवीएस राजू, महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रीता सिंह, शिक्षा संकाय की प्रमुख प्रो. अंजलि वाजपेयी, कला संकाय में वरिष्ठ आचार्य प्रो. मुकुल राज मेहता ने भी अपने विचार रखे तथा विश्वविद्यालय के विकास हेतु कुलपति जी की प्रतिबद्धता को बेजोड़ बताया। इस दौरान कुलपति के कार्यकाल में पांच दीक्षांतों के लिए आयोजित तीन समारोहों की एलबम कुलपति को भेंट की गई। विश्वविद्यालय के अनेक सदस्यों ने प्रो. जैन को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

बीएचयू की सेवा के दौरान प्राप्त हुए सर्वश्रेष्ठ अनुभव-प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन

कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में वाइस चांसलर ने बताया बनारस में बीते पल को जीवन की सबसे अच्छी यादें

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन ने कहा है कि विश्वविद्यालय में बतौर वाइस चांसलर कार्य करना उनके लिए काफी

था। उन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए नए अवसर सृजित करने, शिक्षकों को सशक्त बनाने, तथा विश्वविद्यालय के सदस्यों के विकास हेतु



कुछ सीखने का अवसर रहा। विश्वविद्यालय में अपना तीन साल का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर सोमवार को बीसी आवास पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रोफेसर जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़ना उनके लिए पूरी तरह एक नया अनुभव

संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने बीएचयू सदस्यों का आह्वान किया कि वे सकारात्मक ऊर्जा व उम्मीद के साथ अपने कार्य को निष्पार्वक करें तथा यह सुनिश्चित करें कि उनका कार्य संस्थान की उत्तिकी दिशा में हो। उन्होंने कहा कि

हमे अपने कार्य के नतीजे लघु अवधि में भले ही न दिखाई दें, लेकिन वह दीर्घावधि में अपने संस्थान की प्रगति के रूप में परिलक्षित होते हैं। कार्यक्रम में रेक्टर प्रोफेसर संजय कुमार, रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह, कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक तथा अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र के सम्बन्धिक प्रोफेसर एस. वी. एस. शू, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो.

संकाय के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर एस. एम. सिंह महिला महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर रीता सिंह, शिक्षा संकाय की प्रमुख प्रोफेसर अंजलि बाजेयी ने भी विचार रखे तथा विश्वविद्यालय के विकास हेतु वाइस चांसलर की प्रतिबद्धता को बेजोड़ बताया। इस दौरान वाइस चांसलर के कार्यकाल में पांच दीक्षांतों के लिए आयोजित तीन

बीसी की बिदाई, छात्रों का प्रदर्शन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन छात्रों ने उनके आवास के बाहर धरना-प्रदर्शन के साथ उनका पुतला जलाने की कोशिश की। इसे रोकने के लिए सुरक्षा कर्मियों की छात्रों से नोकझोक भी हुई। इससे खफा छात्रों ने नारेबाजी की। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल रहा। वही दूसरी ओर वाइस चांसलर को उनके कार्यालय में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अधिकारियों ने उन्हें बिदाई दी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि अपने तीन साल के कार्यकाल में वाइस चांसलर ने छात्रों के हित में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। छात्रों की मांगों को दरकिनार कर दिया गया। इसके खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों को निलंबित कर दिया गया। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय की क्रार्यकारी परिषद गठित नहीं हुई।

एस. एन. संख्यावार, कला संकाय के प्रमुख प्रोफेसर माया शंकर पाण्डे, बरकछा स्थित दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रोफेसर वी. के. मिश्र, विज्ञान

समारोहों की एलबम उनको भेट की गई। कार्यक्रम में संस्थानों के निदेशक, संकाय प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीएचयू कुलपति का कार्यकाल पूरा, रेक्टर को चार्ज

1 बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने अपना तीन वर्ष का कार्यकाल सोमवार को समाप्त कर लिया। सोमवार शाम को उन्होंने रेक्टर प्रो. संजय कुमार को चार्ज दे दिया।

P06

छह जनवरी 2022 को प्रो. सुधीर कुमार जैन बने थे वीसी, नए कुलपति के नाम की घोषणा का इंतजार, कई नामों पर अटकलें

बीएचयू कुलपति का कार्यकाल पूरा हुआ, रेक्टर को सौंपा चार्ज⁶

वाराणसी, बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने अपना तीन वर्ष का कार्यकाल सोमवार को समाप्त कर लिया। सोमवार को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन कुलपति कार्यालय गए और दोपहर बाद कुलपति आवास में कामकाज निपटाया। शाम को उन्होंने रेक्टर प्रो. संजय कुमार को चार्ज दिया। बीएचयू में नए कुलपति के नाम की घोषणा को लेकर अब भी इंतजार जारी है।

आईआईटी गार्डनगढ़ के निदेशक प्रो. सुधीर कुमार जैन ने 6 जनवरी 2022 को बीएचयू के कुलपति का कार्यभार संभाला था। अपने कार्यकाल के दौरान प्रो. जैन ने छात्रों के लिए नई छात्रवृत्तियाँ, हार्स्टल सुविधाओं में बढ़ोतरी, शोध और अनुसंधान पर खासा जोर दिया। उन्होंने प्रतिदान योजना की शुरुआत की और इस्टीट्यूट ऑफ एपीसेस योजना के अंतर्गत भी काफी काम कराया। हालांकि इस दौरान आरोप-प्रत्यारोप और विवादों से भी उनका नाता रहा। महिला महाविद्यालय में इफ्टार पार्टी, एंजीव्यूटिव



कुलपति आवास में सोमवार शाम घो. सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल पूरा होने पर आयोजित विदाई समारोह में उन्हें सम्मानित करते बीएचयू परिवार के सदस्य।

बीएचयू के लीगल सेल का पुनर्गठन

वाराणसी। कार्यकाल के अंतिम दिन कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने बीएचयू के लीगल सेल का पुनर्गठन किया। पिछले दिनों प्रो. रजनीश कुमार सिंह को लीगल सेल समन्वयक बनाया गया था। सोमवार को कुलपति ने प्रो. आरके मुरली और डॉ. अनिल कुमार भीर्य को लीगल सेल का सदस्य नियुक्त किया।

कार्डिसिल, नियुक्तियों और नियमों को लेकर उनपर आरोप भी लगे। कुलपति पर बीएचयू परिवार से दूरी बनाए रखने के भी आरोप लगे। हालांकि कुलपति गाहे-बगाहे शैक्षणिक स्टाफ और कर्मचारियों से संवाद करते रहते थे।

कुलपति का कार्यकाल पूरा होने के बाद अब बीएचयू में अगले कुलपति का नाम चर्चा का विषय है। शिक्षा मंत्रालय से इस संबंध में कोई सुचना जारी नहीं हो सकी है। अगले कुलपति के रूप में पंजाब के द्वीय विश्वविद्यालय

मिलीं जीवन की सबसे अच्छी यादें: प्रो. जैन

वाराणसी। छार्काल के अंतिम दिन बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने उन्होंने जीवन की सबसे अच्छी यादें मिलीं। तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर कुलपति आवास में आयोजित विदाई समारोह में उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

इस दौरान रेक्टर प्रो. संजय कुमार, कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह कला संकाय प्रमुख प्रो. मायाशंकर पाण्डेय, विज्ञान संकाय के पूर्व प्रमुख प्रो. एसएम सिंह, वर्कशॉप परिसर के आवाय प्रभारी प्रो. वीके सिंह, विकिपेडिया विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसएन साखवार आदि रहे।

के कुलपति प्रो. राधवेंद्र तिवारी, यूनीसी के एक अधिकारी और आईआईटी कानपुर के एक वरिष्ठ प्रोफेसर का नाम चर्चा में है। बीएचयू के विभिन्न संस्थानों ने निदेशकों के अगले कुलपति के लिए आवेदन की भी चर्चा है।

छह जनवरी 2022 को प्रो. सुधीर कुमार जैन बने थे वीसी, नए कुलपति के नाम की घोषणा का इंतजार, कई नामों पर अटकलें

बीएचयू कुलपति का कार्यकाल पूरा हुआ, रेक्टर को सौंपा चार्ज⁴

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने अपना तीन वर्ष का कार्यकाल सोमवार को समाप्त कर लिया। सोमवार को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन कुलपति कार्यालय गए और दोपहर बाद कुलपति आवास में कामकाज निपटाया। शाम को उन्होंने रेक्टर प्रो. संजय कुमार को चार्ज दिया। बीएचयू में नए कुलपति के नाम की घोषणा को लेकर अब भी इंतजार जारी है।

आईआईटी गोपीनाथ के निदेशक प्रो. सुधीर कुमार जैन ने 6 जनवरी 2022 को बीएचयू के कुलपति का कार्यभार संभाला था। अपने कार्यकाल के दौरान प्रो. जैन ने छात्रों के लिए नई छात्रवृत्तियाँ, हास्टल सुविधाओं में बढ़ोतरी, शोध और अनुसंधान पर खासा जोर दिया। उन्होंने प्रतिवान योजना की शुरुआत की और इंस्टीट्यूट ऑफ एमोनेस योजना के अंतर्गत भी



कुलपति आवास में सोमवार शाम प्रो. सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल पूरा होने पर आयोजित विदाइ समारोह में उन्हें सम्मानित करते बीएचयू परिवार के सदस्य।

बीएचयू के लीगल सेल का पुनर्गठन

वाराणसी। कार्यकाल के अंतिम दिन बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा कि बीएचयू और झारखंड से उन्हें जीवन की सबसे अच्छी यादें मिलीं। तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर कुलपति आवास में आयोजित विदाइ समारोह में उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान रेक्टर प्रो. संजय कुमार, कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह, कला संकाय प्रमुख प्रो. मायाशंकर पाण्डेय, विज्ञान संकाय के पूर्ण प्रमुख प्रो. एसएम सिंह, वरकंडा पारसर के आवार्य प्रशारी प्रो. वीके मिश्र, विकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसएन सखवार आदि रहे।

काफी काम कराया। हालांकि इस दौरान उनका नाता रहा। महिला भहाविद्यालय आरोप-प्रत्यारोप और विवादों से भी में इमतार पार्टी, एम्जीब्यूटिव

मिली जीवन की सबसे अच्छी यादें: प्रो. जैन

वाराणसी। कार्यकाल के अंतिम दिन बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा कि बीएचयू और झारखंड से उन्हें जीवन की सबसे अच्छी यादें मिलीं। तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर कुलपति आवास में आयोजित विदाइ समारोह में उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

इस दौरान रेक्टर प्रो. संजय कुमार, कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह, कला संकाय प्रमुख प्रो. मायाशंकर पाण्डेय, विज्ञान संकाय के पूर्ण प्रमुख प्रो. एसएम सिंह, वरकंडा पारसर के आवार्य प्रशारी प्रो. वीके मिश्र, विकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसएन सखवार आदि रहे।

कार्यसिल, नियुक्तियाँ और निर्माणों को लेकर उनपर आरोप भी लगे।

बीएचयू में मिला सर्वश्रेष्ठ अनुभव: कुलपति

विटाई में बोले

कुलपति के रूप में कार्यकाल पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में समारोह का आयोजन

बीएचयू परिवार के सदस्यों ने प्रो. जैन के नेतृत्व व योगदान को बताया अनुकरणीय

सुधीर कुमार जैन ने कहा कि बीएचयू व इसके सदस्यों में अपार क्षमता व संभावनाएँ हैं, अगर आवश्यकता है तो उसे प्रोत्साहन देने तथा नए अवसर करने की ऊर्जा व शक्ति दी, जिसके लिए वे सदा आभारी रहेंगे। कुलपति प्रो.

विश्वविद्यालय ने उन्हें अनेक बेहतरीन यादें और अनुभव दिए हैं, जिनसे उनके व्यक्तित्व का भी संवर्धन हुआ है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य संस्थान की उन्नति की दिशा में हो। उन्होंने कहा कि हमे अपने कार्य के उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना है और उन्होंने इसी भावना के साथ अपनी भूमिका निभाने का प्रयास किया। विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए नए अवसर सृजित करने, शिक्षकों का सशक्त बनाने तथा विश्वविद्यालय के सदस्यों के विकास के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने बीएचयू सदस्यों का आह्वान

किया कि वे सकारात्मक ऊर्जा व उम्मीद के साथ अपने कार्य को निष्पार्क करें तथा वह सुनिश्चित करें कि उनका कार्य संस्थान की उन्नति की दिशा में हो। उन्होंने कहा कि हमे अपने कार्य के नतीजे लघु अवधि में भले ही न दिखाई दें, लेकिन वह दीर्घावधि में अपने संस्थान की प्रगति के रूप में परिलक्षित होते हैं। समारोह में कुलगुरु प्रो. संजय कुमार ने कहा कि प्रो. सुधीर कुमार जैन ने विश्वविद्यालय को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया, जिसके नतीजे विश्वविद्यालय को लंबे समय तक लाभान्वित करेंगे। कुलपति प्रो. अरण कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिभाओं की



पहचान कुलपति की विशेषता रही है। प्रतिबद्धता को बेजोड़ बताया। इस दौरान कुलपति के कार्यकाल में पांच दीक्षांतों के लिए आयोजित तीन समारोहों की एलबम कुलपति को भेंट की गई। विश्वविद्यालय के अनेक सदस्यों ने प्रो. जैन को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में संस्थानों के निदेशक, संकाय प्रमुख, वाइ-अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आम जीवन को सरल और बेहतर करेगा सांख्यिकी

बाराणसी। बीएचयू के सांख्यिकी विभाग की ओर से बैंजियन अवधारणा पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान और साहित्य के विकास पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम की थीम थी- रीसेंट

डेवलोपमेंट्स इन द टेक्निक्स ऑफ बैंजियन पैराडाइम थी। विज्ञान संस्थान के डीन प्रो. सत्यांशु कुमार उपाध्याय और सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष प्रो. ज्ञान प्रताप सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान डॉ. आकांक्षा गुप्ता, डॉ. रीमा शर्मा और सहकर्मी रहे। ब्यूरो



अतिथि का सम्मान करते प्रो. ज्ञान प्रताप। स्वयं

सूखा प्राइमिंग से बढ़ाई गेहूं की प्रतिरोधक क्षमता⁶

वाराणसी। बीएचयू के डॉ. प्रशांत सिंह और टीम ने सूखा प्राइमिंग विधि से गेहूं की फसल की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर शोध किया है। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका फिजियोलॉजिकल एंड मॉलिक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी ने यह शोध प्रकाशित किया है। इस अध्ययन में दिखाया गया है कि नियंत्रित जल तनाव पर आधारित सूखा प्राइमिंग तकनीक गेहूं में बाइपोलारिस सोरोकिनियाना नामक कवक के कारण होने वाले स्पॉट ब्लॉटच नामक गंभीर रोग से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है।

वसंत कन्या कॉलेज छात्राओं को बनाएगा प्लेबैक सिंगर

32

मार्ड सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में म्यूजिक की छात्राओं को फ़िल्म इंडस्ट्री की तर्ज पर स्नातक की पढ़ाई कराई जाएगी।

कमच्छा के वसंत कन्या महाविद्यालय में सितार और गायन में चार साल स्नातक बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट (बीपीए) कोर्स शुरू किया जाएगा। दोनों कोर्स के सिलेबस को नई शिक्षा नीति और बॉलीवुड के आधार पर तय किया गया है। क्लासिकल म्यूजिक टीचर के साथ ही प्लेबैक सिंगर, म्यूजिक कंपोजर, म्यूजिक डायरेक्टर, रिकॉर्डिंग आर्टिस्ट, रेडियो जॉकी, म्यूजिक क्रिटिक और इंस्ट्रूमेंट लिस्ट भी बनाई जाएगी।

स्टेज शो, फ़िल्म इंडस्ट्री के म्यूजिक प्रोडक्शन के लिए छात्राएं तैयार होंगी। कोर्स के प्रस्ताव में बताया गया है कि छात्राओं को फ़िल्म और एलबम में मौका भी दिलाया जाएगा।

क्लासिकल म्यूजिक को बड़े स्टेज पर परफॉर्म करने के साथ ही युवाओं में पॉपुलर कराने की तकनीक सिखाई जाएगी। कोर्स

4 साल का बीपीए कोर्स, 20 हजार होगी फ़ीस, स्टेज परफॉर्मेंस की तकनीक भी सीखेंगी छात्राएं

हिंदी-अंग्रेजी में कक्षाएं

यह कोर्स आठ सेमेस्टर का होगा। हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में कक्षाएं चलेंगी। म्यूजिक के लिए दो इंटरनल और दो एक्सटर्नल फैकल्टी नियुक्त की जाएगी। दोनों कोर्स में 20-20 सीटें होंगी। सालाना फ़ीस 20 हजार रुपये है। सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होने के लिए 75 फ़ीसदी उपस्थिति अनिवार्य होगी। कोर्स में प्रवेश की योग्यता इंटरमीडिएट है। 50 प्रतिशत अंक होना चाहिए। जरूरी नहीं है कि इंटरमीडिएट में म्यूजिक की पढ़ाई की हो। प्रैक्टिकल में 55 फ़ीसदी अंक भी जरूरी है।

को ऐसे डिजाइन किया गया है कि छात्राएं म्यूजिक रिसर्चर, म्यूजिक थेरेपिस्ट और कल्चरल डिप्लोमेट भी बन सकती हैं। कोर्स के प्रस्ताव को तीन जनवरी की एकेडमिक काउंसिल के बैठक में प्रस्तुत किया गया था। अभी मुहर लगनी बाकी है।

'वीसी के घर में फेयरवेल पार्टी, बाहर छात्रों ने दिखाए जूते, 300 गार्ड तैनात

प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन माहौल तनावपूर्ण, पुतला जलाने की कोशिश की

मार्ड सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन पूरे परिसर में तनावपूर्ण माहौल रहा।

सोमवार देर शाम वीसी आवास में अंदर फेयरवेल पार्टी चलती रही। वहीं, बाहर छात्रों ने जूते दिखाए। इसकी वजह से तीन थानों की पुलिस फोर्स, एक कंपनी पीएसी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के 300 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया। वहीं, कुलपति समेत 4 लोगों के खिलाफ प्रो. ओमशंकर ने लंका थाने में तहरीर दी है।

एग्जीब्यूटिव कार्डिसिल का गठन न होने छात्रों पर केस प्रभासन में गड़बड़ी और अराजकता का आरोप लगाकर छात्रों ने हंगामा किया। वीसी के कार्यकाल के अंतिम दिन दोपहर से लेकर शाम तक वीसी लॉज के बाहर कुलपति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पुतला फूंकने की कोशिश की गई।

देर शाम वीसी आवास में म्यूजिकल फेयरवेल पार्टी शुरू होने से ठीक पहले एलडी गेस्ट हाउस चौराहे पर प्रदर्शनकारी 10 छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प और हाथापाई हुई। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई। वर्तमान के साथ ही निष्कासित छात्र भी शामिल रहे। शाम 4 बजे तक पूरे कैपस के 500 मीटर क्षेत्र में सुरक्षकर्मी तैनात कर आवाजाही रोक दी गई थी।

अब रेक्टर प्रो. संजय कुमार होंगे कार्यवाहक कुलपति

बीएचयू में अज से रेक्टर प्रो. संजय कुमार कार्यवाहक कुलपति का चार्ज संभालेंगे। वहीं, नए कुलपति का नाम तय हो गया है। नाम का खुलासा जल्द किया जाएगा। पिछले चार साल से बिना एग्जीब्यूटिव कार्डिसिल के चल रहे बीएचयू को कब तक उसका स्थाई कुलपति मिलेगा, कैपस के लोगों का यही सबसे बड़ा सवाल है।

3 थानों की पुलिस और पीएसी भी पहुंची, वीसी समेत चार के खिलाफ लंका थाने में तहरीर



मुंह पर रुमाल बांधकर आए प्रदर्शनकारी

बीचबचाव करने पर हुंची एसीपी नाताशा गोयल और लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा से भी छात्रों की 20 मिनट तक बहसबाजी हुई। पुतला फूंकने आए छात्रों ने रुमाल से मुंह बांध रखा था। पुलिस फोर्स और पीएसी आते ही छात्र हॉस्टलों में लौट गए। विरोध के बीच देर शाम तक रेक्टर, रजिस्ट्रार सभी डीन, अधिकारी और डायरेक्टर ने कुलपति को गुलादस्ता और बुके भेट कर उनके कार्यकाल का बधान किया।



छात्रों-सुरक्षाकर्मियों के बीच नोकझोंक। संवाद

जूता दिखाकर विरोध जताता छात्र। संवाद

आगे चलकर लंबी अवधि तक दिखेंगे मेरे काम : वीसी



बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन को फूल देते प्रो. सौरभ सिंह। संवाद

वाराणसी। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन कुलपति आवास में फेयरवेल के दौरान बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर जैन ने कहा कि उनके किए गए कार्यों का दीर्घकालिक फायदा होगा। मेरी इस लघु अवधि में कार्य के नतीजे भले ही न दिखाई दें, लेकिन वह दीर्घावधि में संस्थान की प्रगति के रूप में दिखेंगे। प्रो. जैन ने कहा कि बीएचयू और बनारस में जीवन की सबसे अच्छी यात्रे मिलीं। रेक्टर प्रो. संजय कुमार ने कहा कि प्रो. जैन असाधारण सोच के व्यक्ति हैं। पांच दीक्षांत के तीन समारोह का एलबम कुलपति को भेट किया गया। इस दौरान प्रो. मुकुल राज मेहता, प्रो. माया शंकर पांडेय मौजूद रहे। मंगलवार को प्रो. सुधीर जैन कैपस में विश्वनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर सकते हैं। मंदिर में तैयारियां की गई हैं। ब्यूरो

वीसी लाज पर हंगामा, छात्रों ने फूंका पुतला

जासं, वाराणसी : बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन सोमवार को छात्रों ने उनका पुतला कुलपति आवास पर फूंका। जमकर नारेबाजी की। भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एक छात्र ने जूते भी दिखाए।

छात्रों का आरोप है कि बिना तथ्य एवं साक्ष्य के उनके जीवन के साथ

कुलपति ने खिलवाड़ किया है और निष्कासित कर दिया। छात्रों एवं प्राक्टोरियल बोर्ड के जवानों के साथ धक्कामुक्की की गई। छात्र अभिषेक उपाध्याय ने कहा कि विवि में बिना इसी की बैठक के कार्यकाल पूरा किया, छात्रों को मानसिक और अकादमिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

TV



बीएचयू स्थित रुड़या चौराहे पर कुलपति का पुतला फूंकने को लेकर सुरक्षाकर्मियों के साथ विद्यार्थियों की नोकझोंक हुई • जागरण

वीसी आवास में फेयरवेल पार्टी बाहर छात्र-सुरक्षाकर्मियों में भिड़त 3 थानों की पुलिस-पीएसी और 300 सुरक्षागार्ड तैनात

वाराणसी। बीएचयू में कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन पूरे परिसर में तनावपूर्व माहौल रहा। सोमवार देर शाम वीसी आवास के आसपास तीन थानों की फोर्स, एक कंपनी पीएसी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के 300 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया। दोपहर में छात्रों और गाड़ों के बीच पुतला रेस भी देखने को मिली। इसके साथ ही छात्रों ने प्रदर्शन के दौरान जूते भी दिखाए। एग्जीक्यूटिव कार्डिनल का गठन ने होने पर छात्र नाराज थे।

वीसी के कार्यकाल के अंतिम दिन दोपहर से लेकर शाम तक लॉज के बाहर कुलपति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पुतला फूंकने के कई प्रयास हुए। देर शाम वीसी आवास में म्यूजिकल फेयरवेल पार्टी शुरू होने से ठीक पहले एलडी गेस्ट हाउस चौराहे पर प्रदर्शनकारी छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प और हाथापाई हो गई। बोर्ड के गार्ड ने



बीएचयू में वीसी का पुतला फूंकने पहुंचे छात्रों की सुरक्षाकर्मियों से नोकझोंक।

विरोध के बीच फेयरवेल में कुलपति आवास पहुंचे अधिकारी

बीचबचाव करने पहुंचे लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा और एसीपी नताशा गोयल से भी छात्रों की 20 मिनट तक बहसबाजी हुई। पुतला फूंकने आए छात्रों ने रुमाल से मुंह बांध रखे थे। पुलिस फोर्स और पीएसी आते ही छात्र हॉस्टलों में लौट गए। विरोध के बीच देर शाम तक रेक्टर, रजिस्ट्रार सभी डीन, अधिकारी और डायरेक्टर ने कुलपति को गुलदस्ता और बुके भेंट कर उनके कार्यकाल का बखान किया।

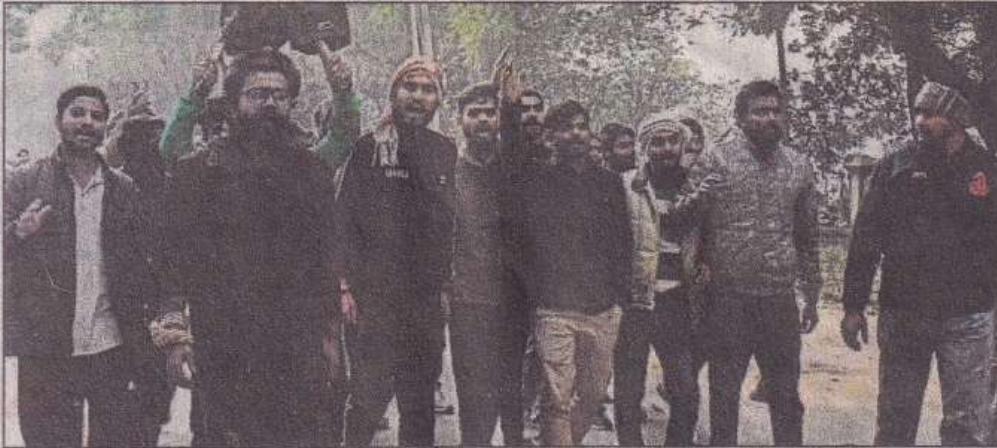
छात्रों को रोककर जब पुतला छीनने 20 मिनट तक झड़प चलती रही। की कोशिश की गई तो सड़क पर

प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन कैपस में रहा तनावपूर्ण माहौल, छात्रों ने दिखाए जूते

पुतला लेकर एक-दूसरे को दौड़ाते रहे छात्र-गार्ड

दोपहर 12 बजे के बाद कुलपति आवास के बाहर छात्रों और गाड़ों के बीच 10 मिनट तक पुतला रेस देखने को मिला। 10 छात्रों ने कुलपति आवास का घेराव किया। कुलपति का पुतला फूंकने की कोशिश की तो प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों ने दौड़ लगा दी। इस दौरान जमबार नारेबाजी भी की गई। वर्तमान के साथ ही डिबार छात्र भी शामिल रहे। शाम 4 बजे तक पूरे कैपस के आधा किलोमीटर एरिया में चापे चापे पर सुरक्षाकर्मी तैनात कर आवाजाही रोक दी गई थी। कुलपति आवास के चारों ओर सारे रास्ते ब्लॉक कर दिए गए हैं।

वीसी लॉज के सामने छात्रों का हंगामा, रही चौकसी 6



वीसी लॉज के बाहर सोमवार को प्रदर्शन करते बीएचयू के छात्र। • हिन्दुस्तान

बाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता।

बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन सोमवार को छात्रों ने कुलपति आवास के बाहर हंगामा किया। दोपहर के छात्रों के एक समूह ने पुतला फूंकने की कोशिश की तो शाम को विदाई समारोह की सूचना पर सैकड़ों छात्र जुट गए। हालांकि प्रॉक्टोरियल बोर्ड के साथ कई थानों की पुलिस और पीएसी ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी।

सोमवार की दोपहर छात्रों का एक समूह नारेबाजी करता कुलपति आवास के सामने पहुंचा। छात्रों ने कुलपति का प्रतीक पुतला भी लिया था। इस दौरान आवास के बाहर जूते दिखाए गए और नारेबाजी की। इससे पहले कि छात्र पुतले को आग लगाते, प्रॉक्टोरियल

- दोपहर में छात्रों ने किया पुतला दहन का प्रयास
- शाम को जूटे छात्रों को थानों की फोर्स ने वापस भेजा

बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों ने पुतला छीन लिया। इस दौरान छात्रों से नोकझोंक और धक्कामुक्की हुई। शाम को कुलपति आवास में विदाई समारोह की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में छात्र फिर से वहां जुट गए। हंगामे की आशंका से कुलपति आवास के बाहर पहले से पीएसी, तीन थानों की फोर्स और सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया था। पुलिस ने एमएमवी चौराहे से लेकर इंटरनेशनल हॉस्टल चौराहे पर बैरिकेडिंग कर दी थी।

वीसी लॉज के सामने छात्रों का हंगामा, रही चौकसी ५



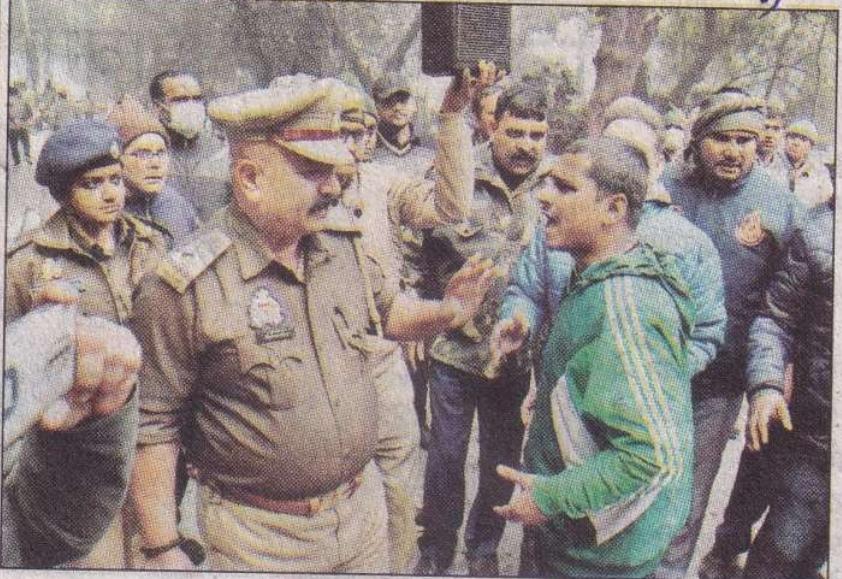
वीसी लॉज के बाहर सोमवार को प्रदर्शन करते बीएचयू के छात्र। • हिन्दुस्तान

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन सोमवार को छात्रों ने कुलपति आवास के बाहर हंगामा किया। दोपहर के छात्रों के एक समूह ने पुतला फूंकने की कोशिश की तो शाम को विदाई समारोह की सूचना पर सैकड़ों छात्र जुट गए। हालांकि प्रॉक्टोरियल बोर्ड के साथ कई थानों की पुलिस और पीएसी ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी।

सोमवार की दोपहर छात्रों का एक समूह नारेबाजी करता कुलपति आवास के सामने पहुंचा। छात्रों ने कुलपति का प्रतीक पुतला भी लिया

था। इस दौरान आवास के बाहर जूते दिखाए गए और नारेबाजी की। इससे पहले कि छात्र पुतले को आग लगाते, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों ने पुतला छीन लिया। इस दौरान छात्रों से नोकझोंक और धक्कामुक्की हुई। शाम को कुलपति आवास में विदाई समारोह की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में छात्र फिर से वहां जुट गए। हंगामे की आशंका से कुलपति आवास के बाहर पहले से पीएसी, तीन थानों की फोर्स और सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया था। पुलिस ने एमएमवी चौराहे से लेकर इंटरनेशनल हॉस्टल चौराहे पर बैरिकेडिंग कर दी थी।

छात्रों ने की कुलपति का पुतला फूंकने की कोशिश⁵



वाराणसी (एसएनबी)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के 28 वें कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल सोमवार को समाप्त हो गया। जहां एक ओर विश्वविद्यालय के शिक्षक और अधिकारी कुलपति को विदाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर छात्रों ने वीसी आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य छात्रों को रोकने में लगे हुए थे। महौल बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर पुलिस भी बुला ली गयी। इस बीच आवास के बाहर दर्जनों की संख्या में छात्रों ने कुलपति का प्रतीकात्मक पुतला जलाने का प्रयास किया, जिसे रोकने

| कुलपति की तस्वीर भी जलायी

के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य तैनात थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों और प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम के बीच दौड़-धूप का माहौल बना, जिससे अफरातफरी का दृश्य उत्पन्न हो गया। नाराज छात्रों ने वीसी आवास के बाहर धरना दिया और कुलपति की तस्वीर जलाकर विरोध जताया। उनका कहना था कि कुलपति ने अपने तीन साल के कार्यकाल में छात्रों के हित में कोई भी महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाया। पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया पर भी कोई निर्णय नहीं लिया गया, जो

छात्र विरोध में थे, उन्हें विश्वविद्यालय से निकाल दिया गया। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि वीसी के कार्यकाल के दौरान पहली बार इसी का गठन भी नहीं हुआ। इस बीच लंका थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्र मौके पर पहुंच गये और छात्रों को समझा कर शांत कराया। छात्रों के आक्रोश को देखते हुए पूरे विश्वविद्यालय परिसर में प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम को अलर्ट मोड में रखा गया है। सेंट्रल ऑफिस में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की चेकिंग की जा रही है, और वीसी कार्यालय के बाहर सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है।

देर शाम तीन थानों की फोर्स ने संभाली कमान

कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के ३
विदाई में किसी तरह का विघ्न न होने
पाए इसे लेकर सुरक्षा कर्मियों द्वारा
वीसी लॉज समेत अन्य प्रमुख स्थानों
पर बैरिकेडिंग की गई। इतना ही नहीं,
चीफ प्राक्टर स्वयं सुरक्षाकर्मियों के
साथ मुस्तैद रहे। कुलपति आवास को
भी सुरक्षाकर्मियों ने अपने घेरे में ले
लिया था। देर शाम परिसर में तीन
थानों भेलूपुर, लका और चितर्पुर की
फोर्स ने कमान संभाल लिया। सुबह
के विरोध को देखते हुए कुलपति
आवास की सुरक्षा व्यवस्था काफी
तगड़ी कर दी गई। छात्र जब कुलपति
आवास पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन
कर रहे थे, इस दौरान छात्रों ने यह
घोषणा की कि पांच बजे हम लोग
वीसी को निकलने नहीं देंगे और
उनका विरोध करेंगे। इसे देखते हुए
कुलपति आवास के चारों ओर चार सौ
मीटर तक रास्ता बंद कर दिया गया।
किसी को भी इधर से जाने की
अनुमति नहीं दी गई। छात्रों के
आक्रोश को देखते हुए पूरे
विश्वविद्यालय कैंपस में प्राक्टोरियल
बोर्ड की टीम अलर्ट मोड रही। सेंट्रल
ऑफिस के अंदर जो भी प्रवेश कर
रहा था, उसकी चेकिंग की जा रही
थी।

छात्रों ने पूँका कुलपति का पुतला

कार्यकाल के अंतिम दिन छात्रों ने बीएचयू वीसी पर लगाए गंभीर आरोप, की नारेबाजी

जवरदस्त विरोध

छात्रों के हंगामे के बाद परिसर की सुरक्षा सख्त, तीन थानों की फोर्स ने संभाली कमान

बाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन सोमवार को सुबह-सुबह कुलपति को छात्र-छात्राओं के जोरदार विरोध का सामना करना पड़ा। आक्रमणित छात्रों ने वीसी लॉज पर कुलपति का पुतला पूँका और जमकर नारेबाजी की। पुतला दहन के दौरान ही एक छात्र ने कुलपति को जूता भी दिखाया। इस दौरान बीच झड़प मुरक्काकर्मियों व छात्रों के बीच झड़प भी हुई। शाम को छात्रों ने कुलपति के चित्रों को जूतों की माला पहनाकर अपना विरोध दर्ज किया।

बीएचयू परिसर रिथ्ट कुलपति आवास के सामने सुबह-सुबह अचानक दर्जनों की संख्या में छात्र-छात्राएं कुलपति प्रो. जैन का पुतला लेकर पहुंच गए और कुलपति के विरोध में जमकर नारेबाजी करने लगे। छात्रों का हुजूम देख वहां अफ्रातफरी का माहौल उत्सन्न हो गया। छात्रों ने कुलपति के पारे कार्यकाल को भ्रष्ट कार्यकाल बताते हुए कुलपति आवास



के सामने प्रो. सुधीर कुमार जैन का पुतला पूँका। इसी बीच एक छात्र ने कुलपति आवास के बाहर जूते दिखाए और नारेबाजी करने लगा। इस छात्र का आरोप है कि बिना तथ्य एवं साक्ष्य के उसके जीवन के साथ कुलपति जैन ने खिलवाड़ किया है और उसे निष्कासित कर दिया। इस बीच छात्रों एवं प्रोफेसरियल बोर्ड के जवानों के साथ जमकर भवका-मुक्कों हुई। प्रदर्शन में शामिल छात्र अभिषेक उपाध्याय ने

कहा कि कुलपति जैन के कार्यकाल में विश्वविद्यालय की साथ को व्यापक नुकसान पहुंचा है। एनआइआरएफ में विश्वविद्यालय की रैंकिंग खराब हुई है। विश्वविद्यालय में बिना एकजीक्यूटिव काउन्सिल के ही कुलपति ने तानाशहीपूर्वक अपने तीन साल का कार्यकाल पूरा किया, जिसमें छात्रों को मानसिक और अकादमिक रूप से प्रताड़ित किया गया है। ऐसे में प्रो. जैन का सम्मानजनक विदाई समारोह करते

बायोचित नहीं है। अतः हम लोगों ने पुतला दहन कर इसके कार्यकाल पर अपना विरोध दर्ज कराया है।

कुलपति आवास के बाहर पुतला दहन के लिए पहुंचे एक दर्जन से ज्यादा छात्रों को रोकने के लिए 50 की संख्या में प्रोफेसर एवं अधिकारी विदाई दे रहे थे तो वहाँ दूसरी तरफ वीसी आवास पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन से विश्वविद्यालय के सुरक्षकर्मियों में हड़कंप मच गया।

बीएचयू में 1,540 सीटों पर होगा पीएचडी में प्रवेश, 200 सीटें बढ़ीं

विलंबित हुई प्रवेश प्रक्रिया, 16 संकायों में 140 मुख्य विषय उपलब्ध

जागरण संवाददाता, वाराणसी : करीब दो महीने विलंबित पीएचडी बुलेटिन सौमवार को घोषित कर दिया गया। इस बार विवि स्तर से कोई परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा परिणाम के आधार प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सत्र 2024-25 के लिए सूचना बुलेटिन और आवेदन पत्र सौमवार से बीएचयू पोर्टल पर उपलब्ध है। वर्तमान सत्र के लिए विवि के 16 संकायों के 140 मुख्य विषयों में कुल 1540 सीटें उपलब्ध हैं, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार करीब 200 सीटों में इजाफा हुआ है। इस सत्र के लिए बीएचयू के संबद्ध चार कालेजों के लिए 124 सीटें विज्ञापित की गई हैं। विश्वविद्यालय 21 जनवरी तक आनलाइन आवेदन स्वीकार करेगा। मार्च के अंतिम सप्ताह तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी।

अनुसंधान प्रवेश परीक्षा-छूट (आरईटी-छूट) के दायरे में वे अभ्यर्थी ही आएंगे, जिन्होंने यूजीसी, सीएसआइआर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर), जैव प्रैयोगिकी विभाग (डीबीटी) या किसी अन्य राष्ट्रीय एजेंसी की जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए अर्हता प्राप्त की हो। अभ्यर्थियों को 100 प्रतिशत वेटेज के साथ साक्षात्कार में उपस्थित होना होगा।



21 जनवरी तक मांगे गए आवेदन, मार्च के अंतिम सप्ताह में खत्म हो जाएगी प्रक्रिया।

और उनका चयन साक्षात्कार में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। हालांकि जिन अभ्यर्थियों को यूजीसी, सीएसआइआर परीक्षा में लेक्चररशिप व असिस्टेंट प्रोफेसरशिप (जेआरएफ के बिना) प्रदान की गई है, यूजीसी व सीएसआइआर नेट परीक्षा के आधार पर कोई अन्य फेलोशिप प्रदान की गई है और डीएसटी इंस्पायर फेलो हैं, वे प्रवेश की इस पद्धति के अंतर्गत पात्र नहीं हैं। अभ्यर्थियों को दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन के समय वैध जेआरएफ प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा उनकी उम्मीदवारी रद कर दी जाएगी। अनुसंधान प्रवेश परीक्षा (आरईटी) के अंतर्गत यूजीसी व सीएसआइआर और एसआरबी की नेट परीक्षा जून 2024 व एआरएसबी परीक्षा 2024 के अंकों का उपयोग करके पीएचडी कार्यक्रमों

अंत : विषयक अनुसंधान के लिए अभ्यर्थी के पास संबद्ध विषय का विकल्प

अंत : विषयक अनुसंधान के लिए अभ्यर्थी के पास संबद्ध विषय में भर्ती होने का विकल्प होगा, यदि वह संबंधित मुख्य विषय के आरईटी-छूट प्राप्त व आरईटी मोड में पात्र है। अभ्यर्थी अपने मुख्य विषय के अतिरिक्त संबद्ध विषयों के लिए अधिकतम चार विकल्प चुन सकते हैं। आवेदन जमा करते समय आवेदन पत्र में विकल्प व वरीयता का चयन किया जाना चाहिए। प्रवेश के समय विकल्प व वरीयता में परिवर्तन के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

में प्रवेश के लिए पात्र उम्मीदवारों के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जेआरएफ योग्य उम्मीदवार, जेआरएफ के बिना सहायक प्रोफेसर के लिए योग्य उम्मीदवार और वे अभ्यर्थी जो न तो जेआरएफ के लिए योग्य हैं और न ही सहायक प्रोफेसर के लिए, लेकिन केवल पीएचडी में प्रवेश के लिए पात्र हैं।

कृषि विज्ञान संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए कृषि सेवा भर्ती बोर्ड परीक्षा 2024 के नेट स्कोर का उपयोग किया जाएगा।

बीएचयू ने 1540 सीटों पर मिलेगा पीएचडी ने एंट्रेस, 200 सीटें बढ़ीं

करीब दो महीने विलंबित हुई प्रवेश प्रक्रिया, 16 संकायों में 140 मुख्य विषय उपलब्ध

VARANASI (6 Jan): करीब दो महीने विलंबित पीएचडी बुलेटिन सोमवार को घोषित कर दिया गया। इस बार विवि स्तर से कोई परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा परिणाम के आधार प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सत्र 2024-25 के लिए सूचना बुलेटिन और आवेदन पत्र सोमवार से बीएचयू पोर्टल पर उपलब्ध है। वर्तमान सत्र के लिए विवि के 16 संकायों के 140 मुख्य विषयों में कुल 1540 सीटें उपलब्ध हैं, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार करीब 200 सीटों में इजाफा हुआ है। इस सत्र के लिए बीएचयू के संबद्ध चार कालेजों के लिए 124 सीटें विज्ञापित की गई हैं। विश्वविद्यालय 21 जनवरी तक आनलाइन आवेदन स्वीकार करेगा। मार्च के अंतिम सप्ताह



तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी। अनुसंधान प्रवेश परीक्षा-छूट के दायरे में वे अभ्यर्थी ही आएंगे, जिन्होंने यूजीसी, सीएसआइआर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग या किसी अन्य राष्ट्रीय एजेंसी की जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए अर्हता प्राप्त की हो। अभ्यर्थियों को 100 प्रतिशत वेटेज के साथ साक्षात्कार में उपस्थित होना होगा और उनका चयन साक्षात्कार में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। हालांकि जिन अभ्यर्थियों को यूजीसी, सीएसआइआर परीक्षा में लेक्चररशिप व असिस्टेंट प्रोफेसरशिप (जेआरएफ के बिना) प्रदान की गई है, यूजीसी व

अंतःविषयक अनुसंधान के लिए अभ्यर्थी के पास संबद्ध विषय का विकल्प

अंतःविषयक अनुसंधान के लिए अभ्यर्थी के पास संबद्ध विषय में भर्ती होने का विकल्प होगा, यदि वह संबंधित मुख्य विषय के आरईटी-छूट प्राप्त व आरईटी मोड में पात्र है। अभ्यर्थी अपने मुख्य विषय के अतिरिक्त संबद्ध विषयों के लिए अधिकतम चार विकल्प चुन सकते हैं। आवेदन जमा करते समय आवेदन पत्र में विकल्प व वरीयता का चयन किया जाना चाहिए। प्रवेश के समय अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

सीएसआइआर नेट परीक्षा के आधार पर कोई अन्य फेलोशिप प्रदान की गई है और डीएसटी इंस्पायर फेलो हैं, वे प्रवेश की इस पद्धति के अंतर्गत पात्र नहीं हैं। कृषि विज्ञान संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए कृषि सेवा भर्ती बोर्ड परीक्षा 2024 के नेट स्कोर का उपयोग किया जाएगा।

पीएचडी : 1540 सीटों पर 21 जनवरी तक आवेदन, 15 फरवरी को रिजल्ट

52

बीएचयू : जेआरएफ का सिर्फ इंटरव्यू और अन्य का नेट और इंटरव्यू दोनों आधार पर होगा चयन

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी/झांसी। ढाई महीने के इंतजार के बाद बीएचयू ने 2024-25 सत्र में पीएचडी प्रवेश का बुलेटिन जारी कर दिया है। 140 विषयों में 1540 सीटों पर ऑनलाइन आवेदन सोमवार से शुरू हो गए हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि 21 जनवरी है। सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी अभ्यर्थियों को फॉर्म भरने के लिए 600 रुपये और ऐसी व एसटी को 300 रुपये ऑनलाइन देने होंगे। अभ्यर्थी क्रेडिट और डेबिट कार्ड से भुगतान कर सकेंगे।

आरईटी और आरईटी एंजिनियरिंग दो वर्गों में विभागावार सीटों का विवरण जारी किया गया है। इस साल और वर्तमान सत्र में जेआरएफ क्वालिफाइड अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

नेट और पीएचडी के लिए क्वालिफाइड अभ्यर्थियों को आरईटी के तहत प्रवेश दिया जाएगा। 24 जून के विज्ञापन में नेट परीक्षा दिए अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। 27 जनवरी से 12 फरवरी के बीच 16 दिन तक डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और इंटरव्यू होंगे। 15 फरवरी को रिजल्ट घोषित होगा। पांच मार्च तक एडमिशन की प्रक्रिया पूरी होगी। 6

300-600

रुपये तक हैं फॉर्म, 27 जनवरी से 12
फरवरी के बीच होंगे इंटरव्यू

मार्च को प्रवेश की प्रक्रिया बंद हो जाएगी। 17 मार्च को पीएचडी में प्रवेश पा चुके शोध छात्र और छात्राओं को विभागों में रिपोर्ट करना होगा। सबसे ज्यादा 75 सीटें भौतिक विज्ञान विभाग को दी गई हैं। रसायन विभाग को 70, शिक्षा संकाय को 52, इतिहास विभाग को 43 और भूगोल को 38 सीटें मिली हैं।

पत्रकारिता विभाग में 10 सीटों पर प्रवेश होगा। बीएचयू के चारों संबद्ध कॉलेजों के 124 सीटों पर प्रवेश होगा। बीएचयू ने एनटीए के साथ एक एमओयू किया है। इसके तहत एनटीए ने नेट-जेआरएफ और पीएचडी के लिए योग्य अभ्यर्थियों का डेटा बीएचयू भेज दिया है। जब अभ्यर्थी पीएचडी का फॉर्म भरेंगे तो उनका स्कोर अपने आप भरेगा। ये डेटा फॉर्म में ही फीड कर दिया है। इससे अभ्यर्थी फॉर्म में नेट-जेआरएफ का गलत स्कोर नहीं भर पाएगा और फर्जीवाड़ा रुकेगा।

■ नेट स्कोर को 70 और इंटरव्यू को 30 फीसदी मिलेगा वेटेज

आरईटी मोड में फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों को पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के लिए नेट एग्जाम के स्कोर का 70 फीसदी और इंटरव्यू का 30 फीसदी वेटेज होगा। वहीं, जेआरएफ अभ्यर्थियों का चयन इंटरव्यू के आधार पर होगा। इंटरव्यू के स्कोर को ही 100 फीसदी वेटेज दिया जाएगा। ज्यादा डिटेल बीएचयू ऑनलाइन पोर्टल पर दिए 35 पेज की बुलेटिन में हैं।

■ 18 अक्टूबर को आया था रिजल्ट

पिछले साल 24 जून को नेट-जेआरएफ परीक्षा का नोटिफिकेशन आया था। रिजल्ट बीते साल 18 अक्टूबर को जारी हुआ था। इसी के बाद बीएचयू में पीएचडी आवेदन को लेकर तैयारी शुरू हो गई थी। छात्रों के विरोध, मध्यस्ता, नेट-जेआरएफ रिजल्ट का डेटा प्राप्त करने के लिए एनटीए के साथ एमओयू और बीएचयू के कुलपति की अनुमति और परीक्षा नियंत्रक बदलने से आवेदन की प्रक्रिया में ढाई महीने की देरी हो गई।

■ 15% सीटों पर विदेशी छात्रों को प्रवेश

विदेशी नागरिकों को पीएचडी में प्रवेश के लिए नेट-जेआरएफ की परीक्षा के स्कोर की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, जारी बुलेटिन में विदेशी छात्रों के प्रवेश के लिए सात शर्त रखी गई हैं। सरकार द्वारा नामित विदेशी नागरिकों को ही आवेदन का मौका दिया जाएगा। प्रवेश स्कॉलरशिप योजनाओं और सेल्फ फाइनेंस फैरैन नेशनल स्कीम के तहत लिया जाएगा। योग्यता में किसी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय या संस्थान से पोस्ट ग्रेजुएशन या इसके समकक्ष योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

21 तक कर सकेंगे ४ पीएचडी के लिए आवेदन

अधिसूचना जारी

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। छात्रों के लंबे इंतजार के बाद बीएचयू ने सोमवार की जून-2024 के पीएचडी प्रवेश की अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी। यूजीसी के निर्देश के बाद बीएचयू इस बार रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (रेट) नहीं कराएगा। इस श्रेणी में उन छात्रों का प्रवेश लिया जाएगा जो एनटीए की नेट परीक्षा में पीएचडी के लिए अर्ह घोषित किए गए हैं। पीएचडी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 जनवरी तक चलेगी।

बीएचयू में इस बार 16 संकायों के 140 विभागों में पीएचडी की 1540 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। खास यह कि इस बार संबद्ध कॉलेजों में भी विभिन्न विषयों में 124 सीटों पर शोध कराया जाएगा।

एनटीए की तरफ से अर्ह छात्रों की सूची मिलने में देरी के कारण जून-2024 के प्रवेश जनवरी में

शुरू हो सके हैं। प्रवेश प्रक्रिया और साक्षात्कार के बाद मार्च में शोध छात्रों की रिपोर्टिंग रखी गई है। बीएचयू ने इस साल से यूजीसी के निर्देशानुसार रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट भी बंद कर दिया है। रेट एम्जम्प्टेड श्रेणी में, इस बार जेआरएफ, आईसीएमआर, डीबीटी और अन्य एजेंसियों से सफल फेलो को रखा गया है। रेट श्रेणी के अभ्यर्थियों में 2024 से पहले जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर, एग्रीकल्चर सर्विस रिक्रूटमेंट बोर्ड से सफल अभ्यर्थी और एनटीए के अंकों के आधार पर पीएचडी के लिए अर्ह घोषित अभ्यर्थियों को रखा जाएगा।

बीएचयू की तरफ से घोषित प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत छात्रों का साक्षात्कार लिया जाएगा। नेट परीक्षा के अंकों का 70 प्रतिशत और साक्षात्कार का 30 प्रतिशत मिलाकर मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके बाद प्रवेश लिए जाएंगे। छात्रों की आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी गई है।

21 जनवरी तक कर सकेंगे पीएचडी के लिए आवेदन

बीएचयू

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। छात्रों के लंबे इंतजार के बाद बीएचयू ने सोमवार को जून-2024 के पीएचडी प्रवेश की अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी। यूजीसी के निर्देश के बाद बीएचयू इस बार रिसर्च एट्रेंस टेस्ट (रेट) नहीं कराएगा। इस श्रेणी में उन छात्रों का प्रवेश लिया जाएगा जो एनटीए की नेट परीक्षा में पीएचडी के लिए अहं घोषित किए गए हैं। पीएचडी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 जनवरी तक चलेगी।

बीएचयू में इस बार 16 संकायों के 140 विभागों में पीएचडी की 1540 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। खास यह कि इस बार संबद्ध कॉलेजों में भी

- 1540 सीटों पर प्रवेश के लिए शुरु हुए ऑनलाइन आवेदन
- बीएचयू रेट से एडमिशन बंद, एनटीए के अंकों पर होगा दायिता

पीएचडी प्रवेश में कब क्या होगा

ऑनलाइन आवेदन

6 जनवरी से 21 जनवरी 2025

प्रफ़्रॉन्टों की जांच और साक्षात्कार

27 जनवरी से 12 फरवरी 2025

परिणाम की घोषणा और प्रवेश

15 फरवरी से 5 मार्च 2025

प्रवेश की अंतिम तिथि

6 मार्च 2025

विभाग में रिपोर्टिंग

17 मार्च 2025

विभिन्न विषयों में 124 सीटों पर शोध कराया जाएगा।

एनटीए की तरफ से अहं छात्रों की सूची मिलने में देरी के कारण जून-2024 के प्रवेश जनवरी में शुरू हो सके हैं। प्रवेश प्रक्रिया और साक्षात्कार के बाद मार्च में शोध छात्रों की रिपोर्टिंग

रखी गई है। बीएचयू ने इस साल से यूजीसी के निर्देशानुसार रिसर्च एट्रेंस टेस्ट भी बंद कर दिया है। रेट एग्जम्प्टेड श्रेणी में इस बार जेआरएफ, आईसीएमआर, डीबीटी और अन्य एजेंसियों से सफल फेलो को रखा गया है। रेट श्रेणी के अभ्यर्थियों में 2024 से

डीएवी कॉलेज में सबसे ज्यादा सीटें

6

वाराणसी। बीएचयू से संबद्ध कॉलेजों में भी इस साल पीएचडी की सीटों में इजाफा किया गया है। नवबर में हुई विद्वत परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई थी। इसके अंतर्गत इस बार होने वाले प्रवेश में सबसे ज्यादा 38 सीटों पर डीएवी पीजी कॉलेज पीएचडी कराएगा। इनके अलावा वसंत महिला

महाविद्यालय राजधानी में 25 सीटों पर पीएचडी कराई जाएगी। कमच्छा स्थित वसंत कन्या महाविद्यालय को 27 और आर्यमहिला पीजी कॉलेज को 20 सीटें दी गई हैं। संबद्ध कॉलेजों से इतर राजीव गांधी दक्षिणी परिसर बरकछा में दो सीटों और बीएचयू स्थित महिला महाविद्यालय में 30 सीटों पर पीएचडी कराई जाएगी।

प्रवेश परीक्षा के अंकों का 70 प्रतिशत और साक्षात्कार का 30 प्रतिशत मिलाकर मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके बाद प्रवेश लिए जाएंगे। छात्रों की आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 21 जनवरी निर्धारित की गई है।

सीनियर नेशनल टीम में बीएचयू के तीन ए विद्यार्थियों का चयन

जागरण संवाददाता, वाराणसी :
बीएचयू की सामाजिक विज्ञान संकाय
की प्रथम वर्ष की छात्रा अदिती सिंह
(राष्ट्रीय वालीबाल खिलाड़ी) और
सामाजिक विज्ञान संकाय प्रथम वर्ष
के छात्र अनुज कुमार सिंह
(अंतर्राष्ट्रीय वालीबाल खिलाड़ी) का
चयन बिहार राज्य की सीनियर
नेशनल टीम में हुआ। ये दोनों बिहार
की टीम का प्रतिनिधित्व सीनियर
नेशनल चैपियनशिप में करेंगे।
सामाजिक विज्ञान संकाय प्रथम वर्ष
के छात्र राजेश सिंह (राष्ट्रीय
वालीबाल खिलाड़ी) का चयन
छत्तीसगढ़ की सीनियर नेशनल टीम
में हुआ है और राजेश छत्तीसगढ़ टीम
का प्रतिनिधित्व सीनियर नेशनल
चैपियनशिप में करेंगे। सीनियर
नेशनल चैपियनशिप सात से 13
जनवरी 2025 तक जयपुर
राजस्थान में होगी। वर्तमान में तीनों
छात्र विवि के सहायक निदेशक डा.
रोबिन कुमार सिंह के संरक्षण में
प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

वॉलीबॉल : नेशनल खेलेंगे बीएचयू के 3 खिलाड़ी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन सीनियर नेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए बिहार की टीम में हुआ है। इसमें एक छात्रा और दो छात्र हैं। सीनियर नेशनल टीम



अदिति। स्वयं



राजेश। स्वयं



अनुज। स्वयं

में चयनित खिलाड़ियों को विवि क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. बीसी कापरी ने शुभकामनाएं दीं। बताया कि सामाजिक विज्ञान संकाय में प्रथम वर्ष की छात्रा और राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अदिती सिंह और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनुज कुमार सिंह का चयन सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रथम वर्ष के छात्र और राष्ट्रीय खिलाड़ी राजेश सिंह का चयन छत्तीसगढ़ की टीम में हुआ है। सीनियर नेशनल चैपियनशिप 7 से 13 जनवरी राजस्थान के जयपुर में खेली जाएगी। ब्यूरो ३२

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के ५२ लिए आदित्य कवालिफाई

बाराणसी। पावरलिफिंग में बीएचयू के छात्र आदित्य तिवारी ने स्वर्ण पदक जीता है। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के



आदित्य।

महासचिव प्रो.
बीसी कापरी
ने बताया है
कि बैचलर
ऑफ
वोकेशनल
स्टडीज
(होटल
मैनेजमेंट) के

छात्र आदित्य ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्टेट पावरलिफिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर राष्ट्रीय पावरलिफिंग प्रतियोगिता में जगह बनाई। कोच डॉ. प्रमोद यादव की देखरेख में आदित्य शिवाजी हॉल में अभ्यास करते हैं। संवाद



राजेश सिंह



अदिति सिंह



अनुज कुमार सिंह

वॉलीबॉल : सीनियर नेशनल² खेलेंगे बीएचयू के 3 खिलाड़ी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन सीनियर नेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए बिहार की टीम में हुआ है। इसमें एक छात्रा और दो छात्र हैं।

सीनियर नेशनल टीम में चयनित खिलाड़ियों को विवि क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. बीसी कापरी ने शुभकामनाएं दीं। बताया कि सामाजिक विज्ञान संकाय में प्रथम वर्ष की छात्रा और राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अदिति सिंह और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनुज

कुमार सिंह का चयन सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रथम वर्ष के छात्र और राष्ट्रीय खिलाड़ी राजेश सिंह का चयन छत्तीसगढ़ की टीम में हुआ है।

सीनियर नेशनल चैंपियनशिप 7 से 13 जनवरी राजस्थान के जयपुर में खेली जाएगी। तीनों परिषद के सहायक निदेशक डॉ. रोबिन कुमार सिंह की देखरेख में प्रशिक्षण लेते हैं। चयन पर सचिव प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. संजीव ने खुशी जताई।

बीएचयू के 3 खिलाड़ी सीनियर नेशनल टीम में

वाराणसी। बीएचयू के तीन खिलाड़ियों का चयन वॉलीबॉल की सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। इनमें सामाजिक विज्ञान संकाय की प्रथम वर्ष की छात्रा अदिती सिंह और अनुज कुमार सिंह का चयन बिहार राज्य की सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। संकाय के ही राजेश सिंह का चयन छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। यह खिलाड़ी 7 से 13 जनवरी तक जयपुर में होने वाली सीनियर नेशनल प्रतियोगिता में अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

'चिताभूमि काशी' में झलक रहा सृजन भी, संहार भी ३

बीएचयू के दृश्य कला संकाय के प्रोफेसर विजय सिंह के चित्रों की प्रदर्शनी 'चिताभूमि काशी' इन दिनों कला प्रेमियों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। गिरजाघर स्थित जोगई बनारस- द आर्ट गैलरी में उनके २५

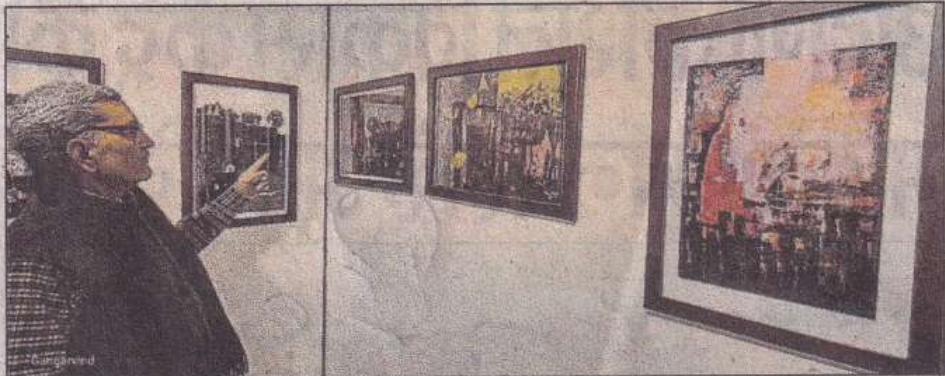


चित्रों का प्रदर्शन जारी है। उनके द्वारा तैयार की गई चित्रकृतियों में सृजन और संहार के विरोधाभासी दृश्य एक साथ दिखाई देते हैं। ब्रिटिश पेनइंक, पीले और जोगिया रंगों से तैयार इस चित्र शृंखला में उन्होंने गंगा तट पर सृजन और संहार के एक साथ दिखने वाले विरोधाभासी दृश्यों को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त किया है। अरुणोदय काल में गंगा तट पर जो रंग मंदिरों और ऐतिहासिक इमारतों पर दृश्य होता है वही रंग हरिश्चंद्र और मणिकर्णिका घाट पर जलती चित्राओं से भी निकलता है। एक ही रंग अलग-अलग समय में सृजन और संहार का प्रतीक बन जाता है। प्रोफेसर विजय सिंह कहते हैं यही काशी का शाश्वत प्रकाश है। कभी मैं भोर में गंगा किनारे जाकर बैठता हूं। कभी संध्या बेला में मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर ठहर जाता हूं। उस समय जो अनुभूतियां होती हैं उन्हें ही मैंने अपने चित्रों में दिखाने का प्रयास किया है। देखने वाले को एक ही चित्र में एक तरफ सृजन की संभावनाएं और संहार का सार दोनों ही दृष्टिगत होता है। यह प्रदर्शनी ११ जनवरी तक सुबह साढ़े दस से शाम साढ़े सात बजे तक जनसामान्य के लिए अवलोकनार्थ खुली रहेगी।

काशी के प्रकाश पर 'विजय' का प्रयास⁶

वाराणसी, मुख्य संवाददाता। काशी का अर्थ है ज्ञान का प्रकाश। इस प्रकाश को काशी के एक चित्रकार ने सृजन और संहार के शाश्वत प्रकाश के रूप में अपनी चित्रकृतियों में अभिव्यक्ति दी है। वह चित्रकार हैं बीएचू के दृश्य कला संकाय के प्रो. विजय सिंह।

उनके चित्रों की प्रदर्शनी इन दिनों गिरजाघर स्थित जोगई बनारस- द आर्ट गैलरी में कला प्रशंसकों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। इस प्रदर्शनी को उन्होंने 'चिताभूमि' नाम दिया है। ब्रिटिश पेनइंक, पीले और जोगिया रंगों से तैयार इस चित्र शृंखला में उन्होंने गंगा तट पर सृजन और संहार के एक साथ दिखने वाले विरोधाभारी दृश्यों को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त किया है। अरुणोदय काल में गंगा तट पर जो रंग मंदिरों और ऐतिहासिक



अपनी चित्रकृतियों के बारे में बताते चित्रकार प्रो. विजय सिंह।

इमारतों पर दृश्य होता है वही रंग हरिश्चंद्र और मणिकर्णिका घाट पर जलती चिताओं से भी निकलता है। एक रंग अलग-अलग समय में सृजन और संहार का प्रतीक बन जाता है। प्रो. विजय सिंह कहते हैं यही काशी का शाश्वत प्रकाश है। कभी मैं भोर में गंगा किनारे जाकर बैठता हूं। कभी संध्या बेला में मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र

घाट पर ठहर जाता हूं। उस समय जो अनुभूतियां होती हैं उन्हें ही मैंने अपने चित्रों में दिखाने का प्रयास किया है। देखने वाले को एक चित्र में एक तरफ सृजन की संभावनाएं और संहार का सार दोनों ही दृष्टिगत होता है। यह प्रदर्शनी 11 जनवरी तक सुबह साढ़े दस से शाम साढ़े सात बजे तक खुली रहेगी।

काशी के प्रकाश पर 'विजय' का प्रयास

वाराणसी। काशी का अर्थ है ज्ञान का प्रकाश। इस प्रकाश को काशी के एक चित्रकार ने सूजन और संहार के शाश्वत प्रकाश के रूप में अपनी चित्रकृतियों में अभिव्यक्ति दी है। वह चित्रकार हैं बीएचू के दृश्य कला संकाय के प्रो. विजय सिंह। उनके चित्रों की प्रदर्शनी इन दिनों गिरजाघर स्थित जोगई बनारस- द आर्ट गैलरी में कला प्रशंसकों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। ८

बीएचयू वाणिज्य संकाय में व्याख्यान आज ५

वाराणसी। बीएचयू के वाणिज्य संकाय द्वारा सात जनवरी 2024 को ठाकुर रत्नपाल सिंह की स्मृति में विकसित भारत @2047 : प्रबंधकीय अवसर एवं चुनौतियां शीर्षक मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया गया है। वाणिज्य संकाय प्रमुख प्रो. एचके सिंह ने बताया कि, वाणिज्य संकाय जिस भवन में स्थित है उस भवन के निर्माण में महामना मदन मोहन मालवीय जी का अहम सहयोग करने वाले अनन्य सहयोगी, महान व्यक्तित्व के धनी, दानवीर ठाकुर रत्नपाल सिंह जी की स्मृति में मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन हो रहा है। आयोजक प्रो. प्रियंका गीते ने बताया कि, मेमोरियल व्याख्यान को मुख्य वक्ता के रूप में अब्दुल कलाम तकनीकी विविलखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. डीएस चौहान, विशिष्ट वक्ता के रूप में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गया के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. ओपी राय, बीएचयू के वरिष्ठ शिक्षाविद् सह साहित्यकार प्रोफेसर सदानंद साही संबोधित करेंगे। अध्यक्षता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी. नाग करेंगे।

कुलपति के खिलाफ प्रो.ओमशंकर ने दी तहरीर

वाराणसी। बीएचयू के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रो. ओमशंकर ने शनिवार को 6 थाने में बीएचयू के कुलपति के खिलाफ तहरीर दी है। इसमें उन्होंने कार्डियोलॉजी विभाग में बेड, इंस्टीट्यूट ऑफ इमिनेंस, आयुष्मान योजना, नियुक्तियों, प्रमोशन सहित अन्य मुद्दे का जिक्र किया है। प्रो. ओमशंकर ने कहा कि अगर मुकदमा दर्ज नहीं होता है तो प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखूँगा।

बीएचयू कुलपति व एमएस के खिलाफ दी तहरीर IV

जासं, वाराणसी : बीएचयू के कार्डियोलाजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डा. ओमशंकर ने सोमवार को लंका थाने पर तहरीर दी है। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन, सर सुंदरलाल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. कैलाश कुमार, कार्डियोलाजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. धर्मेन्द्र जैन और कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसवीएस राजू के खिलाफ भ्रष्टाचार और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। कहा कि आइएमएस निदेशक प्रो. एसएन संखवार के आदेश के बाद भी खाली विस्तर मरीजों को नहीं दिए जा रहे हैं। अस्पताल के सैकड़ों विस्तरों पर जबरन ताला लगाकर बंद रखा गया है। इंस्टीट्यूट आफ एमिनेंस योजना से आवंटित एक हजार करोड़ का दुरुपयोग किया गया।

सिविल कोर्ट भर्ती परीक्षा में बीएचयू से पकड़े गए सॉल्वर के दो साथी गिरफ्तार

53

अभ्यर्थी और गिरोह के सरगना सहित अन्य की गिरफ्तारी के लिए प्रयागराज में पुलिस की दबिश जारी

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सिविल कोर्ट स्टाफ केंद्रीकृत भर्ती 2024-25 की परीक्षा में केंद्रीय विद्यालय बीएचयू से पकड़े गए सॉल्वर के दो साथियों को सोमवार को लंका थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया। दोनों की पहचान बिहार के नालंदा जिले के सिगारहाट सोरसराय के आशीष रंजन कुमार उर्फ़ पप्पू और झारखण्ड के गिरिडीह जिले के तिसरी के पवन कुमार के रूप में हुई है।

दोनों के पास से एक लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन, ओएमआर शीट, आधार कार्ड, पैन कार्ड और फर्जी प्रवेश पत्र की प्रतियां बरामद हुई हैं। प्रकरण में अभ्यर्थी और सॉल्वर गिरोह के सरगना व उसके साथियों की तलाश में लंका थाने की पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने आशीष और पवन के बारे में बताया।

केंद्रीय विद्यालय बीएचयू में शनिवार को उत्तर प्रदेश सिविल कोर्ट स्टाफ केंद्रीकृत भर्ती 2024-25 की परीक्षा



गिरफ्तार आरोपी। गोत-पुलिस

दो सॉल्वर और एक अभ्यर्थी जेल भेजे गए

यूपी सोसीयसीआर परीक्षा में रविवार को लालपुर पांडेयपुर और रोहनिया थाने की पुलिस द्वारा गिरफ्तार सॉल्वर और एक अभ्यर्थी का चालान किया गया। लालपुर पांडेयपुर थाने की पुलिस द्वारा गिरफ्तार सॉल्वर बिहार के नेवादा जिले के ढाई बीघा गांव निवासी शुभम कुमार के पास से फर्जी पैन कार्ड और अभ्यर्थी ओम पांडेय के नाम का प्रवेश पत्र बरामद हुआ है। रोहनिया थाने की पुलिस द्वारा गिरफ्तार बिहार के मुंगेर जिले तिलकारी गांव के विनीत कश्यप और प्रयागराज के सराय गोपाल भद्री गांव के मंजीत पठेल के पास से दो प्रवेश पत्र और एक फर्जी पैन कार्ड बरामद हुआ है। विनीत प्रयागराज के अभ्यर्थी अंजनी प्रताप की जगह परीक्षा देकर जा चुका था। मंजीत की जगह सॉल्वर परीक्षा देकर जा चुका था।

आयोजित थी। बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान पता लगा कि प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय रोड का रहने वाला मनीष कुमार अभ्यर्थी है। मगर, उसकी जगह झारखण्ड के गिरिडीह जिले के तिसरी का सौरभ कुमार परीक्षा दे रहा था। सौरभ को गिरफ्तार कर लंका थाने की पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने आशीष और पवन के बारे में बताया।

एडीसीपी काशी जोन सरवणन टी ने बताया कि लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्र के नेतृत्व में बीएचयू चौकी प्रभारी शिवाकांत

मिश्र और पुलिस टीम ने आशीष और पवन को पकड़ा। दोनों ने बताया कि वह परीक्षार्थियों के आधार कार्ड और एडमिट कार्ड पर नाम और फोटो एडिट कर सॉल्वर को बैठाते हैं। दो लोगों की फोटो को मिक्स कर उसे एडिट किया जाता है। एडिटिंग ऐसी की जाती है कि जो सामने रहता है, फोटो उसी की प्रतीत होती है।

प्रयागराज का है सरगना, 3.5 लाख में तय होता था सौदा : आशीष और पवन ने पुलिस को बताया कि उनके गिरोह का सरगना प्रयागराज का है। गिरोह के

लिए परीक्षार्थी खोजने और सॉल्वर लाने का काम आठ-नौ लोग करते हैं। परीक्षार्थी से एक लाख रुपये परीक्षा के पहले एडवास लिया जाता है। साथ ही परीक्षार्थी के शैक्षणिक प्रमाण पत्र लिए जाते हैं। परीक्षा में सफल होने पर परीक्षार्थी से ढाई लाख रुपये और लिया जाता है। उधर, लंका थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरोह के सरगना और उसके साथियों की तलाश में पुलिस टीम की दबिश जारी है। पूरी उम्मीद है कि जल्द ही अन्य आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

महिला का पर्स गायब, पुलिस ने लौटाया २

वाराणसी: सर सुंदर लाल
चिकित्सालय बीएचयू में ससुर का
इलाज कराने सोमवार को आई
बिहार के रोहतास की रहने वाली
प्रियंका कुमारी का पर्स गुम हो
गया। लंका थाने में तैनात दारोगा

ओमप्रकाश को मिला। पर्स में मिले
महिला के आधार कार्ड के आधार पर
लंका थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्र ने
महिला की तलाश करके उसे पर्स
सौंप दिया। पर्स में 46 हजार थे जिसे
पाकर वह काफी खुश थी। (संसू)